24/09/2026

आकाशवाणी ईटानगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि सेवा जीवन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए और यह भावना प्रत्येक व्यक्ति में स्वाभाविक रूप से निहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति में भी सेवा ही मार्गदर्शक सिद्धांत रहना चाहिए, भले ही कोई व्यक्ति सर्वोच्च पद तक क्यों न पहुंच जाए। श्री मोदी ने ये बातें वडनगर से वाराणसी तक यात्रा कर रहे सेवा यात्रियों के साथ वर्चुअल संवाद के दौरान कहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सेवा परमो धर्मः', अर्थात सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है और यही जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि सेवा सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति है। उन्होंने कहा कि चाहे पीएम-किसान योजना हो या पीएम सूर्य घर योजना, ऐसी अनगिनत योजनाएं अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने के लिए जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेवा की भावना के कारण ही चार करोड़ गरीबों को स्थायी आवास मिल सके हैं।

0000000000000000000000000000

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड के.टी. पारनाईक ने के मेह हा के अवसर पर राज्य के लोगों, विशेषकर इदु मिश्मी समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि के मेह हा प्रकृति, कृषि और सामुदायिक जीवन के साथ स्थायी संबंध का उत्सव है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में पीढ़ियों से खेती ने लोगों की आजीविका और परंपराओं को आकार दिया है, वहां ऐसे त्योहार कड़ी मेहनत, कृतज्ञता और सद्भाव के मूल्यों की याद दिलाते हैं। ये पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और हमारे पूर्वजों से मिली बुद्धिमत्ता तथा सांस्कृतिक समृद्धि को संरक्षित रखते हैं। राज्यपाल ने युवाओं से इन समारोहों में पूरे उत्साह के साथ भाग लेने, अपनी विरासत के बारे में जानने और अपनी विशिष्ट पहचान पर गर्व करने का आग्रह किया।

0000000000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश सरकार का आपदा प्रबंधन विभाग, कल से अट्ठाइस सितंबर तक ईटानगर और नाहरलागुन के पांच अस्पतालों में अस्पताल मॉक एक्सरसाइज आयोजित करने जा रहा है। जिसका उद्देश्य भूकंप और बहु-आपदा आपात स्थिति के दौरान आपदा से निपटने की तैयारियों, आपातकालीन प्रतिक्रिया तथा अस्पतालों और विभिन्न प्रतिक्रिया एजेंसियों के बीच समन्वय को परखना और मजबूत करना है। इस अभ्यास के दौरान भूकंप, बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने, आग लगने, खोज और बचाव अभियान, निकासी तथा बड़े पैमाने पर हताहतों

के प्रबंधन सहित विभिन्न आपातकालीन स्थितियों का कृत्रिम रूप से अभ्यास किया जाएगा। आम जनता और मरीजों से अनुरोध किया गया है कि वे इन कृत्रिम आपातकालीन परिस्थितियों को वास्तविक आपदा न समझें और घबराएं नहीं।

0000000000000000000000000000

तिराप जिले में समुदाय आधारित जैव विविधता संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हिंथोंग फाउंडेशन ने न्यू तुपी गांव के सामुदायिक वन में रहने वाले वन्यजीवों के दस्तावेजीकरण और निगरानी के लिए कैमरा ट्रैपिंग पहल शुरू की है। हिंथोंग फाउंडेशन तिराप जिले में स्थित एक पंजीकृत गैर लाभकारी संस्था है। इसके सह-संस्थापक और संरक्षणवादी चाजो लोवांग तथा सारा खोंगसाई पिछले पांच वर्षों से जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उनका विशेष ध्यान स्थानीय समुदायों को संरक्षण प्रक्रिया में शामिल करने पर रहा है।

0000000000000000000000000000

कृषि विज्ञान केंद्र, पापुम पारे ने जुलांग में मोमबत्ती और साबुन बनाने पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इसमें बोरुम ब्लॉक की पच्चीस स्वयं सहायता समूह द्वारा हिस्सा लिया जा रहा हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों में व्यावहारिक कौशल विकसित करना और आजीविका के नए अवसर तलाशने में मदद करना है।

प्रशिक्षण सत्ताइस सितंबर तक जारी रहेगा। कार्यक्रम में उत्पाद बनाने की व्यावहारिक और प्रत्यक्ष सीख के माध्यम से स्वयं सहायता समूह सदस्यों में आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और टिकाऊ आय सृजन के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है।

0000000000000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बियुराम वाघे ने "एनर्जी फॉर हेल्थ-अरुणाचल प्रदेश" पहल का उद्घाटन किया। यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार और सेल्को फाउंडेशन की संयुक्त पहल है। इस पहल से बिजली आपूर्ति बाधित होने के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों को कार्यशील बनाए रखने, डीजल पर निर्भरता कम करने और अधिक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस पहल को पूरी तरह कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के सहयोग से लागू किया गया है, जिससे राज्य सरकार पर वित्तीय बोझ कम हुआ है।

0000000000000000000000000000

तवाङ जिले के मागो और सेला क्षेत्रों में उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों के आसपास तथा उनके निचले इलाकों में रहने वाले समुदायों की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी GLOF के जोखिमों पर पांच दिवसीय जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का समापन लुंगला के दोगसेन मैंग स्थित SSB आउट पोस्ट में हुआ। जिसमें सशस्त्र सीमा बल के जवानों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए तवाङ जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी गेंदेन सोमू ने संवेदनशील निचले इलाकों में रहने वाले समुदायों के बीच GLOF के जोखिमों को लेकर जागरूकता और तैयारियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से सतर्क रहने तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के साथ मजबूत निकासी योजनाएं सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

0000000000000000000000000000